

UP Board Solutions for Class 6 Agricultural Science

Chapter 5 फसलों की सुरक्षा

अभ्यास

प्रश्न 1.

सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए –

(i) पक्की बाड़ बनाई जाती है –

(क) ईंटों एवं पत्थरों को चुनकर ✓

(ख) कैंटीली झाड़ी लगाकर

(ग) तार लगाकर

(घ) खाई बनाकर

(ii) पौधों की बाड़ लगाने में प्रयोग किए जाते हैं –

(क) सरपत, करौंदा आदि: ✓

(ख) गेहूँ

(ग) बाजरा

(घ) खखड़ी

(iii) कैंटीली झाड़ी विधि में प्रयोग किया जाता है –

(क) बबूल, जंगल, जलेबी ✓

(ख) ज्वार

(ग) बाजरा

(घ) अरहर

(iv) जालीदार तार की बाड़ लगायी जाती है –

(क) छोटे भूखण्ड के किनारे ✓

(ख) मध्यम भूखण्ड के किनारे

(ग) नदी किनारे

(घ) बड़े भूखण्ड के किनारे

(v) खखड़ी की बाड़ में प्रयोग किया जाता है –

(क) ईंट

(ख) पत्थर ✓

(ग) लकड़ी

(घ) तार

प्रश्न 2.

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

- (क) पौधों की बाड़ में **सरपत तथा मेहंदी** के पौधों का प्रयोग होता है।
(ख) पशुओं से फसल सुरक्षा **बाड़** लगाकर की जाती है।
(ग) खखड़ी को प्रयोग **पहाड़ी** क्षेत्रों में होता है।
(घ) कँटीली झाड़ी की बाड़ में **बबूल तथा जंगली जलेबी** पौधों का प्रयोग होता है।
(ङ) कँटीले तार की बाड़ में **खम्भों** का प्रयोग होता है।

प्रश्न 3.

निम्नलिखित में सही के सामने सही (✓) तथा गलत के सामने गलत (X) का निशान लगाइए –

- (क) खखड़ी विधि में ईंट का प्रयोग होता है। (X)
(ख) पत्थरों का प्रयोग खखड़ी विधि में किया जाता है। (✓)
(ग) जालीदार तार की बाड़ बड़े भूखण्डों के किनारे होती है। (X)
(घ) कँटीले तार की बाड़ का प्रयोग छोटे भूखण्डों के किनारे होता है। (X)
(ङ) कँटीली झाड़ी की बाड़ लगाने में करौंदा का प्रयोग होता है। (✓)

प्रश्न 4.

निम्नलिखित में स्तम्भ 'क' का स्तम्भ 'ख' से सुमेल कीजिए – (सुमेल करके)

उत्तर :



प्रश्न 5.

पौधों की बाड़ लगाने से क्या लाभ होता है?

उत्तर :

इस विधि में जानवरों से फसलों की सुरक्षा मेड़ों के किनारे झाड़दार पौधे लगाकर की जाती है। बाड़ लगाने हेतु सरपत, मेहंदी आदि पौधों का चुनाव किया जाता है।

प्रश्न 6.

फसलों में बाड़ का क्या महत्त्व है?

उत्तर :

फसलों में बाड़ का बहुत महत्त्व है। बाड़ लगाने से जंगली एवं पालतू जानवरों से फसल की सुरक्षा होती है।

प्रश्न 7.

खखड़ी द्वारा बाड़ कैसे बनायी जाती है?

उत्तर :

इस विधि में पहाड़ी क्षेत्रों में पत्थर के छोटे-छोटे टुकड़ों को दीवार की तरह खेत के चारों तरफ रखकर बाड़ बनाते हैं। इसमें सीमेन्ट या मिट्टी का प्रयोग दीवार बनाने हेतु नहीं किया जाता है।

प्रश्न 8.

कँटीले तार द्वारा बाड़ में क्या-क्या प्रयोग किया जाता है?

उत्तर :

कँटीले तार की बाड़ में बड़े क्षेत्रों में खम्भों के सहारे कँटीले तार लगाए जाते हैं।

प्रश्न 9.

बाड़ लगाते समय किन-किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए?

उत्तर :

बाड़ लगाते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए।

1. जहाँ जैसी, बाड़ की जरूरत हो, वैसी बाड़ लगानी चाहिए।
2. बाड़ वस्तुओं की उपलब्धता के अनुसार लगानी चाहिए।
3. क्षेत्रों के कोनों पर दो अतिरिक्त खम्भों को लगाकर उन्हें गिरने से बचाना चाहिए।

प्रश्न 10.

पत्थर के टुकड़ों की बिना मिट्टी या सीमेन्ट द्वारा चुनाई कर बाड़ लगाने की विधि को क्या कहते हैं?

उत्तर :

खखड़ी बाड़ बनाना।

प्रश्न 11.

बाड़ लगाना किसे कहते हैं? बाड़ लगाने की सभी विधियों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

फसलों की जानवरों से सुरक्षा हेतु जो भी उपाय किए जाते हैं, उन्हें बाड़ लगाना कहते हैं। फसलों की सुरक्षा निम्न प्रकार से की जाती है –

1. पौधों की बाड़ लगाना
2. कँटीली झाड़ी की बाड़ लगाना
3. खाई बनाकर सुरक्षा
4. कँटीले तार की बाड़ बनाना।
5. जालीदार तार की बाड़
6. खखड़ी बाड़ बनाना।
7. पक्की बाड़ बनाना।

प्रश्न 12.

बाड़ कितने प्रकार की होती है? पहाड़ी क्षेत्र के लिए बाड़ लगाने की कौन-सी विधि उपयुक्त है?

उत्तर :

बाड़ के प्रकार के लिए प्रश्न 11 का उत्तर देखिए। पहाड़ी क्षेत्र में खखड़ी बाड़ बनाना उपयुक्त होता है। यह पत्थर से दीवार की तरह लगाकर बनाई जाती है।

प्रश्न 13.

कँटीली झाड़ी द्वारा बाड़ लगाने में किन-किन पौधों का प्रयोग किया जाता है?

उत्तर :

कँटीली झाड़ी द्वारा बाड़ लगाने हेतु झरबेरी, करौंदा, बबूल, जंगली जलेबी इत्यादि पौधों का प्रयोग किया जाता है।